>

Title: Need to encourage productin of milk powder in the country by providing grants to the manufacturers.

श्री राजू शेट्टी (हातकणंगले) : अध्यक्ष जी, अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में मिल्क पाउडर के मूल्य में गिरावट आने के कारण देश की मार्केट में मिल्क पाउडर का निर्माण करने वाली कम्पनियों और फैक्ट्रियों ने दूध की खरीदारी बंद कर दी है। इसका नतीजा यह हुआ है कि बाज़ार में अतिरिक्त दूध का निर्माण हो रहा है। अकेले महाराष्ट्र में प्रतिदिन लगभग तीस लाख लीटर दूध अतिरिक्त हो रहा है। दूध की खरीदारी कम होने के कारण दूध उत्पादक किसानों को प्रति लीटर छः से सात रुपए कम मूल्य मिल रहा है। एक तरफ लागत मूल्य बढ़ रहा है और दूसरी तरफ दूध उत्पादक किसानों को दूध का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। किसानों को मिलने वाले दूध के मूल्य में काफी गिरावट आ रही है। महाराष्ट्र जैसी परिस्थिति कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान आदि प्रदेशों में भी उत्पन्न हुई है। केंद्र सरकार को मिल्क पाउडर निर्माण करने वाली कम्पनियों को अनुदान देकर विदेश में इसका निर्यात करने के लिए बढ़ावा देना चाहिए ताकि इसका लाभ सीमांत किसान, भूमिहीन किसान को मिल सके, क्योंकि उनकी आजीविका दूध पर ही निर्भर है। इसलिए मैं आपके माध्यम से आग्रह करूंगा कि सरकार इस बारे में जल्द से जल्द क़दम उठाए।

माननीय अध्यक्ष : श्री संजय काका पाटिल, श्री शिवकुमार उदासि और श्री देवजी एम. पटेल को श्री राजू शेट्टी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।